Inspire Science Camp-2020

Under Internship Scheme

(Innovation in Science Pursuit for Inspired Research)

27- 31st January, 2020

Sponsored by

Department of Science and Technology, Government of India

Organized by : **VEER BAHADUR SINGH PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR-222003, U.P.**

Prof. (Dr.) Raja Ram Yadav
Patron, Vice-Chancellor

Prof. B.B. Tiwari
Chairman

Dr. Manish Kumar Gupta
Program Co-ordinator

6 दैनिक जागरण वाराणसी, 15 दिसंबर 2019

विश्वविद्यालय में लगेगा इन्सपायर साइंस कैंप

अगले माह 10 तक रजिस्ट्रेशन, 27 से 31 जनवरी तक जुटेंगे वैज्ञानिक

जासं, मल्हनी: पूर्वांचल विवि को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से डीएसटी इंसपायर कैंप को आयोजित करने के लिए वित्तीय अनुदान मिला है। इसका आयोजन 27 से 31 जनवरी विवि परिसर में होगा। इसमें रजिस्ट्रेशन फार्म आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी रखी गई है।

प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर विवि के बायोटेक्नोलाजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि डीएसटी के वित्तीय सहयोग से यह प्रोग्राम स्कूल स्तर पर ही बच्चों को विज्ञान और रिसर्च के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया जाता है। डीएसटी की योजना के तहत ग्यारहवीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र जो यूपी बोर्ड 72.6 फीसद, सीबीएसई बोर्ड 95 फीसद, आइसीएसई बोर्ड 96.8 फीसद, एएमयू बोर्ड से 93.8 फीसद दसवीं में उत्तीर्ण हुए हैं, वे आवेदन कर सकते हैं। कैंप में इनोवेटिव आइडिया पर एक पोस्टर प्रस्तुति भी होगी। इसमें शीर्ष तीन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। कैंप में देश के प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आइआइटी, केन्द्रीय विवि, आइआइआइटी एवं अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के व्याख्यान के साथ-साथ विज्ञान के मूल एवं अनुप्रयोग के बारे में एवं डिमांस्ट्रेशन करके दिखाएंगे।

Dainik Jagran 15 December 2019

पीयू में इंस्पायर साइंस कैंप का होगा आयोजन

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

तैयारी

- विश्वविद्यालय में 27-31 जनवरी तक होगा आयोजन
- बायोटेक्नोलाजी विभाग के डा. मनीष कुमार हैं कोआर्डिनेटर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय डीएसटी इन्सपायर कैम्प 27 जनवरी से होगा। इसके लिए को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से वित्तीय अनुदान मिला है। बायोटेक्नोलाजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा मनीष कुमार गुप्ता प्रोग्राम कोआर्डिनेटर बनाये गये हैं। डा. गुप्ता के मुताबिक कैम्प का आयोजन 27-31 जनवरी 2020 को होगा। रजिस्ट्रेशन फार्म आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी है। बताया की डीएसटी के वित्तीय सहयोग से इस इंटर्नशिप कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रोग्राम कॉलेज स्तर पर ही बच्चों को विज्ञान और रिसर्च के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया जाता है।

डीएसटी के योजना स्कीम फार अर्ली अट्रेक्शन टैलेंट के तहत ग्यारहवी कक्षा में अध्ययनरत छात्र जो यूपी बोर्ड 72.6 फीसदी सीबीएसई बोर्ड 95 फीसदी, आई सी एस सी बोर्ड 96.8 फीसदी और एएमयू बोर्ड से 93.8 फीसदी दसवीं में उत्तीर्ण हुए हैं, वे आवेदन कर सकते हैं।

Hindustan, 15 December 2019

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP

E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

27 से 31 जनवरी तक विश्वविद्यालय में इन्सपायर साइंस कैम्प 2020 का आयोजन, तैयारियां तेज

इनोवेटिव आइडिया वाले होंगे सम्मानित

पीयू

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और विश्वविद्यालय के सहयोग से 27 से 31 जनवरी को इन्सपायर साइंस कैम्प 2020 का आयोजन किया जा रहा है। निःशुल्क कैम्प के लिए रजिस्ट्रेशन फार्म को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेबसाइट से अथवा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन फार्म को10 जनवरी 20 तक सीधे, ईमिल अथवा स्पीड पोस्ट से भेजा जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने कहा यह प्रथम अवसर है जब विश्वविद्यालय इन्सपायर साइंस कैम्प-20 का आयोजन कर रहा हैं। उन्होंने कहा कि इस इन्सपायर साइंस कैम्प-20 में विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को बढ़ चढ़कर प्रतिभाग करना चाहिए और कैंप में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों से रूबरू होने का अवसर मिल सकेगा। इससे भविष्य में वे विज्ञान की किस विधा में जाए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान होगा।

कार्यक्रम के समन्वयक विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि साइंस कैंप में विज्ञान वर्ग के ग्यारहवी अथवा बारहवी कक्षा में अध्ययनरत छात्र जो यूपी बोर्ड 72.6 फीसदी, सीबीएसई बोर्ड 95 फीसदी, आईसीएससीबोर्ड 96.8 फीसदी, एएमयू बोर्ड से 93.8 फीसदी दसवीं में उत्तीर्ण हुए हैं, वे आवेदन कर सकते हैं।

इस कैंप में इनोवेटिव आइडिया पर एक पोस्टर प्रस्तुति भी होगा जिसमें शीर्ष तीन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इस कैंप में देश के प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, आईआईआईटी एवं अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के व्याख्यान के साथ-साथ विज्ञान के मूल एवं अनुप्रयोग के बारे में एवं डिमांस्ट्रेशन करके दिखायेंगे।

देवकली गांव में सोमवार को गोपालन के लाभ.के बारे में जानकारी देते पीयू कुलपति प्रो. डा. राजाराम यादव। • हिन्दुस्तान

गोमूत्र से कई रोगों का होता है निदान :कुलपति

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

किया जागरूक

- स्वर्ण युक्त दूध से शारीरिक बौद्धिक आर्थिक विकास
- अलाव बैठक में दलित महिलाओ को किया जागरूक

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति दलित बस्ती में ग्रामीण महिलाओं के बीच पहुंचे। उन्हें गाय को लेकर महिलाओं को जागरूक किया। बताया कि गाय के दूध से जहां आर्थिक शारीरिक बौद्धिक विकास होता है वहीं उसके मूत्र से कई रोगों का निदान भी होता है। उन्होंने अलाव के बीच ग्रामीण दलित महिलाओं को जागरूक किया।

पीयू के कुलपति प्रो. राजाराम यादव देवकली गांव के दलित बस्ती में कहा कि गाय के दूध में केरोटीन के साथ स्वर्ण पाया जाता है, जिसके चलते पीलापन भी होता है। इसके दूध से बच्चों का शारीरिक बौद्धिक विकास के साथ अर्क से दिमाग होता है। गाय के दूध से बनने वाला घी मट्ठा दही व अन्य पदा[र्थ] दवाओं के साथ प्रयोग किए जाते हैं। ज[ो] पौष्टिक व गुणकारी है। गाय के मूत्र प[र] देश की विभिन्न संस्थाएं शोध कर र[ही] हैं। कुलपति प्रो राजाराम यादव [ने] महिलाओं को जोर देकर कहा भैंस [की] अपेक्षा गाय पालन में रुचि लें। इस मौ[के] पर समन्वयक राकेश कुमार यादव, [...] उदयभान,पूर्व प्रधान श्रीपति, जगन्ना[थ], परशुराम, हन्सा, लक्ष्मी, दुर्गाव[ती], कमला,सीता, लालमणि आदि थे।

Hindustan 7 January 2020

अध्यक्षता में मंगलवार को ... स्कूल विशेषरपुर में हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि अधिवेशन 9, 10 एवं 11 जनवरी को डा. ... मौके पर डा.रमेश चंद्र, विनोद कुमार, सुबाष चंद, मनोज कुमार, प्रमोद कुमार, पारसनाथ आदि मौजूद थे।

साइंस कैंप से छात्रों को मिलेगी उच्च शिक्षा में मदद

जासं, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की तरफ से इंसपायर साइंस कैंप का आयोजन 27 से 31 जनवरी तक किया गया है। इसमें यूपी बोर्ड, सीबीएससी, आइसीएससी व एएमयू बोर्ड के अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे।

कुलपति प्रो.राजाराम यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय इंसपायर साइंस कैंप में विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करना-चाहिए। इसमें देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों से रूबरू होने का अवसर मिल सकेगा। जिससे भविष्य में वे विज्ञान की किस विधा में जाए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान होगा। विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर कार्यक्रम कोआर्डिनेटर डा.मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि साइंस कैंप में विज्ञान वर्ग के 11 वीं व 12 वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र जो यूपी बोर्ड में 72 फीसद, सीबीएसई बोर्ड 95, आइसीएससी बोर्ड 96, एएमयू बोर्ड से 93 फीसद अंक के तहत 10 वीं में उत्तीर्ण हुए अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इस कैंप में इनोवेटिव आइडिया पर एक पोस्टर प्रस्तुति भी होगी। जिसमें शीर्ष तीन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें देश के प्रतिष्ठित संस्थान आइआइटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, आइआइआइटी एवं अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के व्याख्यान के साथ-साथ विज्ञान के मूल एवं अनुप्रयोग के बारे में एवं डेमोन्सट्रेशन करके दिखाएंगे। जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, एवं आसपास के सभी जनपदों के विज्ञान वर्ग के इंटर कालेज के अर्ह विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन फॉर्म स्कूल के प्रिंसिपल से अग्रसारित करके स्पीड पोस्ट डाक के माध्यम अथवा ईमेल से भेज सकते हैं।

- पोस्टर प्रदर्शनी के लिए छात्र होंगे पुरस्कृत
- विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए इंसपायर कैंप

Dainik Jagran 8 January 2020

विज्ञान में शोध से होगा विश्व का कल्याण

पूर्वांचल विश्व विद्यालय में शुरू हुआ इंस्पायर साइंस कैंप 2020

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी हाल में सोमवार को इंस्पायर साइंस कैंप और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भारत के भविष्य के लिए नवाचार विषयक संगोष्ठी शुरू हुई। विज्ञान भारती के जयंत सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि भारत अगर विज्ञान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा तो हमारे देश का ही नहीं पूरे विश्व का कल्याण होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय लोगों में प्रतिभा है। इसी प्रतिभा को सामने लाने का काम इंस्पायर साइंस कैंप के माध्यम से पूरे देश में हो रहा है। अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने कहा कि विद्यार्थी अपने ऊपर विश्वास करें, यह विज्ञान की पहली आवश्यकता है। संसाधन के अभाव के बावजूद सृजन करने वाला विद्यार्थी ही अच्छा वैज्ञानिक हो सकता है। ट्रिपल आईटी इलाहाबाद की प्रो. कृष्णा मिश्रा ने कहा कि इंस्पायर के माध्यम से गांव और हाईस्कूल के बच्चों की सोच का पता चलता है। कार्यक्रम में प्रो. पीपी माथुर,प्रो. नीरज खरे, डा. आलोक कुमार गुप्ता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. बीबी तिवारी ने स्वागत किया। संयोजक डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इसमें 11 जनपद के कॉलेज के विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे है। कैंप में आए बच्चों ने बायो टेक्नोलॉजी, एनवायरमेंट साइंस, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, अप्लाइड साइकोलॉजी, रज्जू भैया संस्थान और मशरूम लैब देखा। संचालन डॉ. संतोष कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. वंदना राय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर , प्रो. राम नारायण, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. एके श्रीवास्तव,प्रो. देव राज सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. नुपुर तिवारी, डॉ .मनोज मिश्रा, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया आदि उपस्थित रहे।

पूविवि के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी हाल में विज्ञान प्रौद्योगिकी और भारत के भविष्य के लिए नवाचार विषयक संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर बोलते मुख्य अतिथि नई दिल्ली विज्ञान भारती के जयंत सहस्त्रबुद्धे। अमर उजाला

छात्रों ने देखी विवि परिसर स्थित प्रयोगशाला

Amar Ujala 28 January 2020

Inspire Science Camp-2020

Under Internship Scheme

(Innovation in Science Pursuit for Inspired Research)

Sponsored by

Department of Science and Technology, Government of India

27- 31st January, 2020

इंस्पायर साइंस कैम्प में छात्रों ने सीखे गुर,11 जनपदों से माध्यमिक विद्यालय के जुटे हैं दो सौ विद्यार्थी

गणित के क्षेत्र में भारत का योगदान अहम

साइंस कैंप

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

पीयू के आर्यभट सभागार में मंगलवार को इंस्पायर साइंस कैंप 20 के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने गणित तथा भौतिकी के सिद्धांतों के बारे में प्रतिभागियों को सरल तरीके से समझाया।

एचआरआई इलाहाबाद के शिक्षाविद प्रो. सत्यदेव त्रिपाठी ने वैदिक काल में गणित की उपलब्धियों पर चर्चा की। कहा कि भारत ने गणित के क्षेत्र में विश्व को अमूल्य योगदान दिया है। विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगकी विभाग की ओर से पांच दिवसीय इंस्पायर साइंस कैंप चल रहा है। आईआईआईटी इलाहाबाद की प्रो. कृष्णा मिश्रा ने विज्ञान के क्षेत्र में नए आयाम जैसे नैनोटेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स व पर्सनल मेडिसिन पर विद्यार्थियों को जागरूक किया। आईआईटी.दिल्ली के प्रो. नीरज खरे ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना भरने के लिए महान वैज्ञानिकों के उदाहरणों और प्रयोगों का सचल चित्रण से व्याख्या की। प्रो. पीपी. माथुर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने कहा कि डीएनए के अंदर अपार डाटा संग्रह करने की क्षमता होती है। मानव शरीर में उसके खुद के जीन के अलावा विभिन्न सूक्ष्म जीवों के जीन भी पाये जाते हैं जो विभिन्न जैविक क्रियाओं को प्रभावित कर सकते है। माध्यमिक के छात्र छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान, विज्ञान संकाय, फार्मेसी संस्थान व इंजीनिरिंग संकाय की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। वैज्ञानिकों से गुर सीखे। कुलपति प्रो. डा राजाराम यादव, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. देवराज सिंह एवम डा. मनीष गुप्ता ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संचालन डा. संतोष ने किया।

इंस्पायर साइंस कैंप में वैज्ञानिकों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. राजाराम यादव।

पीयू में इंस्पायर साइंस कैंप में भाग लेते विभिन्न जनपदों के इण्टर के छात्र ।

11 जनपदों के विद्यार्थी कर रहे है प्रतिभाग

पीयू परिसर में कैम्प के संयोजक डा मनीष गुप्ता ने बताया कि इंस्पायर साइंस कैंप 20 में 11 जनपदों के इंटर के 215 मेधावी विद्यार्थी शामिल हुए हैं। इस कैम्प का उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के आकर्षण को बढ़ाना है। कैम्प में आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, संतकबीरनगर, प्रयागराज, सोनभद्र, महराजगंज, रायबरेली एवं भदोही से विद्यार्थी आये हैं।

“पेल्स समीकरण जिसे दुनिया पेल्स के कारण से जानती है उसे भारत में ब्रह्मगुप्त ने संस्कृत भाषा में बहुत पहले से ही दिया था। रामानुजम थियरी, भास्कराचार्य के गणित के कैलकुलस विधा में देश अग्रणी है। **प्रो. सत्यदेव त्रिपाठी :** एचआरआई प्रयागराज

“न्यूटन के तीन नियम जड़ता, त्वरण एवं क्रिया-प्रतिक्रिया आज कारगर है। आधुनिक जीवन मे होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन इनपर आधारित हैं। **प्रो. आलोक गुप्ता :** राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान कोच्चि केरल

“छात्रों को रुचिकर और प्रायोगिक तरीकों से भौतिक विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त जल्द अमल में आते हैं। तरंगों के गुण, गुरुत्वाकर्षण और अन्य बल जीवन प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। **प्रो. मनमोहन सिंह :** चंड़ीगढ़ विवि

Hindustan 29 January 2020

गणित के क्षेत्र में भारत का अमूल्य योगदान

इंस्पायर साइंस कैंप में दूसरे दिन कार्यक्रम में भौतिक और गणित पर चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। एचआरआई इलाहाबाद के प्रो. सत्यदेव त्रिपाठी ने कहा कि भारत ने गणित के क्षेत्र में विश्व को अमूल्य योगदान दिया है। उन्होने रामानुजम के गणित में योगदान के पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने गणित तथा भौतिकी के सिद्धांतों के बारे में प्रतिभागियों को सरल तरीके से बताया।

चंड़ीगढ़ विवि के प्रो. मनमोहन ने भौतिक विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त को समझया। प्रो. मनमोहन ने विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से तरंगो के गुण और प्रकार, गुरुत्वाकर्षण और अन्य बलों को समझाया। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान कोच्ची केरल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आलोक कुमार गुप्ता ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में प्राचीन से आधुनिक समय में हुए विकास पर विस्तार से अपनी बात रखीं। दूसरे सत्र में छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान, विज्ञान संकाय, फार्मेसी संस्थान व इंजीनिरिंग संकाय की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया।

पूविवि में आयोजित इंस्पायर साइंस कैंप के दूसरे दिन भौतिक विज्ञान के बारे में छात्र छात्राओं को समझाते डा मनीष गुप्ता। अमर उजाला

जनपदों के छात्र कर रहे प्रतिभाग

जौनपुर। कैंप के संयोजक डॉ. मनीष गुप्ता ने बया कि इंस्पायर साइंस कैंप में 11 जनपदों के इंटर के 215 विद्यार्थी शामिल हो रहे है। कैम्प में आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, संतकबीरनगर, प्रयागराज, सोनभद्र, महराजगंज, रायबरेली एवं भदोही से विद्यार्थी आएं है।

कुलपति प्रो. राजाराम यादव, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. देवराज सिंह एवं डॉ. मनीष गुप्ता ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संचालन डा. संतोष कुमार ने किया। इस अवसर पर डा.राकेश यादव, प्रमोद यादव, डॉ .राज कुमार सोनी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर आदि उपस्थित रहें।

सीनियर वर्ग में आकाश और

उत्कृष्ट कार्य के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सम्मानित

Dainik Jagran, 29 January 2020

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

< E-Paper

Jaunpur 30 Jan 2020 9

मण की शिकायत पर जिला

विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

कार्रवाई की गई।

ार्थी जीवन होता वर्णिम काल

संवाददाता, जौनपुरः टीडी के पंच दिवसीय रोवर्स-प्रशिक्षण शिविर के तृतीय बुधवार को को डा.अरुण चतुर्वेदी ने झंडारोहण किया। युवाओं के लिए स्काउट गाइड जिर्स बीपी सिक्स के बारे में। विद्यार्थी जीवन को स्वर्णिम कहा, क्योंकि विद्यार्थी जीवन भावी जीवन का निर्माण होता ाध्यक्षीय उद्बोधन में डा. मिश्रा ने कहा कि हमें शिक्षा ाथ-साथ रचनात्मक क्रियाओं द्यार्थियों को क्रियाशील बनाए के लिए निरंतर प्रयास किया ाहिए।

राजीव रतन, डा. गीता सिंह स्कृतिक कार्यक्रम के विविध ों के व्यवहारिक तथ्यों से कराया। संचालन डा. तय सिंह ने किया। प्रशिक्षक द चौहान, अजय चौहान, सिंह एवं आफशां तरन्नुम रहे।

छात्रों को समझाया भूकंप आने का कारण

जासं, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैंप के तीसरे दिन बुधवार को प्रथम सत्र में भौतिकी, जीव विज्ञान व भूगर्भ विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। पर्यावरण के प्रति सचेत रहने को बताया गया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय भूगर्भ विभाग के प्रो.बीपी सिंह ने विद्यार्थियों को भूगर्भ विज्ञान व उससे संबंधित विभिन्न जटिल प्राकृतिक घटनाओं को सरल भाषा में समझाया। प्रतिभागियों को ब्रह्मांड के गूढ़ रहस्यों को समझाया। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. मनमोहन सिंह ने विद्यार्थियों के बीच दैनिक जीवन में होने वाले विभिन्न घटनाओं को प्रयोगों के माध्यम से समझाया। प्रो.सिंह ने गुब्बारे को फूलाकर बरनौली सिद्धांत पर विद्यार्थियों को सरल ढंग से बताया।

पूविवि

- पानी में लेजर लाइट मारकर इंद्रधनुष के बताये सिद्धांत
- गेंद को हवा में रोककर जड़त्व व गुरुत्वाकर्षण को समझाया

केंद्रीय विद्यालय, लखनऊ के शिक्षक सुशील कुमार ने विभिन्न जटिल जैविक प्रक्रियाओं को रोचक तरीके से प्रयोग करके दिखाया। दूसरे सत्र में छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित रसायन विभाग, रज्जू भैया संस्थान, विज्ञान संकाय, फार्मेसी संस्थान व इंजीनियरिंग संकाय की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। समिति के डा.मनीष गुप्ता ने 30 जनवरी को भूगर्भ विभाग, रसायन विज्ञान के विशेषज्ञ अपनी बात को प्रायोगिक तरीके से रखेंगे।

E-paper Dainik Jagran 30 January 2020

विज्ञान को समझने के लिए बेहतर दृष्टिकोण की जरूरत

साइंस कैंप

- पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैंप का आयोजन
- जलवायु परिवर्तन व मानसून की बारीकियों को समझाया

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर) : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैंप के चौथे दिन गुरुवार को आर्यभट्ट सभागार में भूगर्भ विज्ञान और रसायन विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. देवेश सिन्हा ने कहा कि विज्ञान को समझने के लिए बेहतर दृष्टिकोण की जरूरत है। कहा कि सूरज की रोशनी को पृथ्वी पर आने में आठ मिनट लगते हैं। प्रदूषण पर बोलते हुए कहा कि यह टेक्नोलॉजी के चलते हुआ है। इसे दूर भी हम टेक्नोलॉजी विकसित करके ही कर सकते हैं। आइआइटी रोपड़ के डा. यशवीर सिंह ने दवाओं और उनकी क्रिया से संबंधित चीजों को विस्तारपूर्वक सरल भाषा में बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग की औषधि को समझने के लिए सेल कल्चर कोशिकाओं और क्लिनिकल ट्रॉयल के सभी चरणों को जानना आवश्यक है। इसके पूर्व इंस्पायर कैंप के चेयरमैन प्रो. बीबी तिवारी, डा. मनीष गुप्ता, डा. श्याम कन्हैया सिंह ने दोनों विषय विशेषज्ञों को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। आयोजन समिति के डा. मनीष गुप्ता ने बताया कि 31 जनवरी को लाइफ साइंस, एप्लाइड मैथमेटिक्स और रसायन विज्ञान के विशेषज्ञ बच्चों को प्रायोगिक तरीके से समझाएंगे। संचालन डा. संतोष कुमार ने किया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैंप के चौथे दिन के दूसरे सत्र में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन मुक्तांगन में किया गया। इस अवसर पर 11 जिलों से आए 215 बच्चों प्रतिभाग किया। पोस्टर प्रदर्शनी हरित क्रांति, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत, ऊर्जा संरक्षण और जल संरक्षण, सॉलिड और लिक्विड मैनेजमेंट समेत कुल 11 विषय पर आधारित थी।

Dainik Jagran, 31 January 2020

2/6/2020 टेक्नॉलाजी से ही दूर कर सकते है प्रदूषण: देवेश

इंस्पायर साइंस कैम्प में भूगर्भ और रसायन विज्ञान पर चर्चा

टेक्नॉलाजी से ही दूर कर सकते हैं प्रदूषण: देवेश

साइंस कैंप

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैम्प के चौथे दिन गुरुवार को आर्यभट्ट सभागार में भूगर्भ विज्ञान और रसायन विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने जानकारी दी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. देवेश सिन्हा ने कहा कि विज्ञान को समझने के लिए बृहद दृष्टिकोण की जरूरत है। प्रदूषण टेक्नालाजी के चलते हुई है इसे दूर भी हम टेक्नालाजी विकसित करके ही कर सकते हैं।

उनका मानना है कि हम केवल अपने अतीत को ही देख सकते हैं। उदाहरण देते हुए बताया कि सूरज की रोशनी पृथ्वी पर आने में आठ मिनट का समय लगता है। इसका मतलब हम आठ मिनट पहले के सूरज को देख रहे हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, मानसून और महासागरीय धाराओं के बारे में विस्तार से बताया।

आईआईटी रोपड़ के डा. यशवीर सिंह ने दवाओं और उनकी क्रिया से संबंधित चीजों को विस्तारपूर्वक सरल भाषा में बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग की औषधि को समझने के लिए सेल कल्चर कोशिकाओं और क्लीनिकल ट्रायल के सभी चरणों को जानना आवश्यक है। उन्होंने एस्प्रीन और मारफीन (अफीम) के अन्तर को बताते हुए कहा कि एस्प्रीन दर्द देने वाली कोशिकाओं को रोकता है और मारफीन दर्द का पता नहीं होने देता।

इसके पूर्व इंस्पायर कैंप के चेयरमैन प्रो.बी.बी. तिवारी, डा. मनीष गुप्ता, डा. श्याम कन्हैया सिंह ने दोनों विषय विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। संचालन डा. संतोष कुमार ने किया। अडा. मनीष गुप्ता ने बताया कि 31 जनवरी को लाइफ साइंस, अप्लाइड मैथमेटिक्स और रसायन विज्ञान की जानकारी देंगे।

पूर्वांचल विवि में इन्स्पायर साइंस में प्रदर्शनी प्रस्तुत करते बच्चे । • हिन्दुस्तान

पोस्टर प्रदर्शनी में दिखा सामाजिक संदेश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैम्प के चौथे दिन गुरूवार दूसरे सत्र में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन मुक्तांगन में किया गया। इस अवसर पर 11 जनपदों से आए 215 बच्चों प्रतिभाग किया। इस पोस्टर प्रदर्शनी में सामाजिक संदेश दिखा। यह हरित क्रांति, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत, ऊर्जा संरक्षण और जल संरक्षण, सालिड और लिक्वेड मैनेजमेंट समेत कुल 11 विषय पर आधारित थी। इनका मूल्यांकन ज्यूरी कमेटी द्वारा आज ही कर लिया जाएगा लेकिन परिणाम की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी।

https://epaper.livehindustan.com/imageview_13618_112686384_4_76_31-01-2020_6_i_1_sf.html 2

Hindustan , 31 January 2020

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में इंस्पायर साइंस कैंप समापन पर बीएचयू के रसायन विभाग के अध्यक्ष ने दी जानकारी

जैविक प्रक्रियाओं में 75 हजार एंजाइम करते हैं कार्यः प्रो. दया शंकर

इंस्पायर साइंस कैंप

जौनपुर | निज संवाददाता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को इंस्पायर साइंस समापन कैम्प में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया।

बीएचयू के रसायन विभाग के अध्यक्ष प्रो. दया शंकर पांडेय ने आवर्त सारणी के विभिन्न तत्वों और उनकी उपयोगिता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभिन्न जैविक प्रकियाओं में पचास से ज्यादा तत्व व पचहत्तर हजार से ज्यादा एंजाइम संतुलित तरीके से कार्य करते हैं। प्रो पांडेय ने मरकरी (पारा) के दुष्प्रभाव पर चर्चा की।

आईआईटी कानपुर के बायोलाजिकल साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो शंकर रामाकृष्णन ने कोशिका के स्तर पर होने वाली विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं को सचल चित्र के माध्यम से सरल भाषा में समझाया। उन्होंने इक्कीसवीं सदी के कई महान जीव वैज्ञानिकों के खोज व शोध को विद्यार्थियों के सामने रखा। बताया कि कैसे भौतिक विज्ञानी जगदीश चन्द्र बसु ने पौधों में जीवन की प्रक्रिया को समझा।

आईआईटी दिल्ली के प्रो. मैथिली शरण ने गणित का समाज में समस्याओं के समाधान में उपयोगिता पर चर्चा की। बताया कि कैसे महानगरों में संख्या का प्रयोग करके आवागमन को सुगम बनाया जाता है। उन्होंने विमुद्रीकरण तथा जीएसटी में होने वाले गणित का प्रयोग सरल भाषा में समझाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डा. राजाराम यादव ने अतिथियों स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

दूसरे सत्र में विद्यार्थियों ने रज्जू भइया संस्थान के रसायन विज्ञान तथा भूगर्भ विज्ञान की प्रयोगशाला को देखा। केंद्रीय पुस्तकालय में डा. विद्युत मल्ल ने प्रतिभागियों को किताबों और ई लाइब्रेरी के बारे में जानकारी दी। संयोजक डा. मनीष गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। संचालन डा. संतोष कुमार ने किया।

पोस्टर-निबंध प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

जौनपुर। पीयू में समापन सत्र में पोस्टर तथा निबंध के प्रतिभागियों को प्रो. राम नारायण, प्रो. देव राज सिंह, डा. प्रमोद यादव ने पुरस्कृत किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वत्सला, द्वितीय निकिता, तृतीय अंजलि व नेहा को मिला जबकि निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभम, द्वितीय पर इंद्रजीत व तृतीय पर अरुण ने प्राप्त किया।

पूर्वांचल विवि में इन्स्पायर सांइस के समापन पर अतिथि को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो.राजाराम यादव। • हिन्दुस्तान

Hindustan, 01 February 2020

वत्सला को पहला और निकिता को दूसरा स्थान

जौनपुर। इंसपायर कैंप के समापन सत्र में पोस्टर तथा निबंध के प्रतिभागियों को प्रो.रामनारायण, प्रो.देवराज सिंह, डॉ.प्रमोद यादव ने पुरस्कृत किया। पोस्टर प्रतियोगिता में वत्सला को पहला, निकिता को दूसरा और अंजलि व नेहा को संयुक्त रूप से तीसरा पुरस्कार मिला। निबंध में शुभम को पहला, इंद्रजीत दूसरा व अरुण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। संयोजक डॉ.मनीष गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ.संतोष कुमार ने किया।

Amar Ujala , 01 February 2020

समस्याओं के समाधान में गणित की उपयोगिता सीखी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में चल रहे इंस्पायर साइंस कैंप का शुक्रवार को समापन हुआ। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अंतिम दिन जीवन विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान और रसायन विज्ञान के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। बीएचयू रसायन विभाग के अध्यक्ष प्रो दयाशंकर पांडेय ने आवर्त सारणी, आईआईटी कानपुर के बायोलॉजिकल साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो.शंकर रामाकृष्णन ने कोशिका, आईआईटी दिल्ली के प्रो.मैथिलीशरण ने गणित का समाजिक में समस्याओं के समाधान में उपयोगिता के बारे में बताया। कुलपति प्रो.राजाराम यादव ने अतिथियों स्मृति चिन्ह प्रदान किया। डॉ.विद्युत मल्ल ने प्रतिभागियों को ई-लाइब्रेरी के बारे में बताया।

सामाजिक समस्या सुलझाने में गणित का महत्वपूर्ण योगदान

जासं, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को इंस्पायर साइंस कैंप के समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। विश्वविद्यालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय कैंप में इंटर के विद्यार्थियों से वैज्ञानिक रूबरू हुए। कैंप से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। अंतिम दिन कैंप में जीव विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। बीएचयू के रसायन विभाग के अध्यक्ष प्रो. दयाशंकर पांडेय ने धातु व उसके प्रदूषण पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न जैविक प्रकियाओं में करीब 50 से ज्यादा तत्व व 75 हजार से ज्यादा एंजाइम संतुलित तरीके से कार्य करते हैं। आइआइटी कानपुर के बायोलॉजिकल साइंस के विभागाध्यक्ष प्रो. शंकर रामाकृष्णन ने कोशिका के स्तर पर होने वाली विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं को सचल चित्र के माध्यम से सरल भाषा में समझाया। उन्होंने इक्कीसवीं सदी के कई महान जीव वैज्ञानिकों के खोज व शोध को विद्यार्थियों के सामने रखा। आइआइटी दिल्ली के प्रो.मैथिली शरण ने गणित का समाज में समस्याओं के समाधान में उपयोगिता पर चर्चा की। कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने अतिथियों स्मृति चिह्न प्रदान किया।

पुरस्कृत हुए विजेता: समापन सत्र में पोस्टर व निबंध के प्रतिभागियों को प्रो. राम नारायण, प्रो. देवराज सिंह, डा. प्रमोद यादव ने पुरस्कृत किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वत्सला, द्वितीय निकिता, तृतीय अंजलि व नेहा को मिला जबकि निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभम, द्वितीय पर इंद्रजीत व तृतीय पर अरुण ने प्राप्त किया। गुरुवार को हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

Dainik Jagran, 01 February, 2020